विकास कार्यों का निरीक्षण करने के बाद हनुमान गढ़ी में दर्शन-पूजन किया

अयोध्या एयरपोर्ट पर तीन महीने में उतरेंगी घरेलू उड़ानें : मुख्य सचिव

अयोध्या। अयोध्या भ्रमण पर आए प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण और समीक्षा बैठक करने के बाद देर शाम को एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि दो-तीन महीने में एयरपोर्ट पर घरेलू उड़ाने शुरू हो जाएंगी। एक साल के बाद दुनिया से कहीं से भी लोग अयोध्या आएंगे।

श्री राम एयरपोर्ट अयोध्या के निदेशक विनोद का कहना है कि अगले दो-तीन महीने में अयोध्या एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक प्लेन उतारने की तैयारी पूरी कर ली गई है। भगवान राम का मंदिर जनवरी 2024 के महीने में उद्घाटन लोकार्पण होने की बात बतायी जा रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आने वाले लोगों को हर तरीके की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हजारों लोग मंदिर के दर्शन के लिए आएंगे। रामपथ, भक्ति पथ और रामजन्मभूमि पथ को तैयार किया जा रहा है। धर्मशालाओं, होटलों को पूरा करने को कहा गया है। लोगों को अनेक प्रकार की सुविधाएं देने के लिए कार्यहो रहे हैं। अयोध्या में सोलर सिटी के रूप में विकसित किया रहा है। यहां 40 मेगावाट का एक सोलर प्लांट उसके लिए कार्य चल रहा है।

श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास और चंपत राय ने राम मंदिर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

लखनऊ-अयोध्या हाईवे 446 करोड़ से संवरेगा

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। लखनऊ -अयोध्या राजमार्ग का नए सिरे से निर्माण होगा। हाईवे के किनारे रामपथ की तरह दिखेंगे। इस पर 446 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एनएचएआई 113 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण दो चरणों में पूरा करेगा। इस माह टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सितंबर में काम शुरू कराने की तैयारी है। जनवरी 2024 तक हाईवे का काम पूरा कर लिया जाएगा। लखनऊ में कमता से काम शुरू होगा। अयोध्या बाईपास छह लेन बनाने का काम शुरू हो चुका है।

> लखनऊ से अयोध्या हाईवे 446 करोड़ में संवारा जाएगा। दो चरणों में काम किया जाएगा। कमता से कार्य शुरू होगा। –सौरभ चौरसिया,
> परियोजना निदेशक, एनएचएआई

इस तरह होगा काम

पैकेज : एक
लंबाई : 60 किमी
लागत : 237 .88 करोड़ रुपये
पैकेज : दो
लंबाई : 53 किमी
लागत : 208 .88 करोड़ रुपये

हाईवे पर लखनऊ से अयोध्या के बीच विशेष रूप से तैयार साइनेज भी लगाए जाएंगे। हाईवे को इस तरह संवारा जाएगा कि यात्रा सुगम होने के साथ पूरा मार्ग राममय नजर आए। इसके लिए अयोध्या के ऐतिहासिक महत्व व राममंदिर से जुड़े प्रतीक लगाए जाएंगे। एनएचएआई अधिकारियों के मुताबिक पूरे काम को दो भागों में बांटा गया है।